Patrika Date: 27.02.2020

बच्चों को किंडर गार्डन से ही इनोवेटिव तरीकों से सिखाएं मैथ्स

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर◆ अगर आप बच्चों में मैथ्स के प्रति लगाव बढ़ावा चाहते हैं तो इसके लिए किंडर गार्डन से ही प्रयास करना शुरू करने होंगे। इसके लिए किंडर गार्डन से ही बच्चों को इनोवेटिव तरीकों के साथ सीखाना शुरू करना होगा। बढ़ती उम्र के बाद मैथ्स के प्रति रूचि बढ़ाना संभव नहीं है। यह बात बुधवार को वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्वितीय सर सी.वी रमन मेमोरियल ओरेशन प्रोग्राम में नेशनल सेंटर फॉर मैथेमेटिक्स के हेड प्रोफेसर एमएस रघुनाथन ने कही। उन्होने कहा, पैरेंट्स हमेशा बच्चों को यह कहते हैं कि हमे भी मैथ्स से बहुत डर लगता है या फिर हमने में मैथ्स टीचस से बहुत पिटाई खाने के बाद मैथ्स सीखी हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए, बच्चों के साथ अगर आप अपने बुरे अनुभव शेयर करेंगे तो उनके में मैथ्स फोबिया डवलप होगा। बच्चों के साथ अपनी सीखने के अच्छे अनुभव साझा करें। उन्हें बताएं कि आपको मैथ्य की प्रोब्लम सॉल्व करने में कितना मजा आता था। जब बच्चे आपके पास अपनी परेशानी लेकर आएं तो उन्हे ये नहीं कहे कि हमे नहीं आता हैं, इसकी अपेक्षा साथ में मिलकर सॉल्व करने की कोशिश करें। ऐसा करने से बच्चों में पॉजिटिव एटीट्यूड डवलप होगा।

कार्यक्रम में वैष्णव विद्यापीठ के कुलपति, उपिंदर धर ने सी.वी. रमन की उपलब्धियों और योगदानों के बारें विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ.सीमा बागोरा ने आभार व्यक्त किया।

People Samachar **Date: 27.02.2020**

श्री वैष्णव विद्यापीठ में सीवी रमन मेमोरियल ओरेशन का आयोजन

गणित सा सुंदर कुछ नहीं -प्रो. रघुनाथन

IAmIndore • इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को द्वितीय सर सी.वी. रमन मेमोरियल ओरेशन का अयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पद्मभूषण प्रो. एम.एस. रघुनाथन हेड नेशनल सेन्टर फॉर मेथेमिटक्स, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुम्बई थे। प्रो. रघुनाथन को 1977 में गणित के लिए भटनागर पुरस्कार और 1999 में विश्व विज्ञान अकादमी गणित के लिए सम्मानित किया जा चुका है। वे 1998 से 2002 के दौरान भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी एवं वर्ष 2006 से 2011 के दौरान डी.ए.आई. होमी भाभा संस्थान में प्रोफेसर रहे है। वह तीनों राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों में सदस्य भी हैं। भारत सरकार द्वारा प्रो. रघुनाथन को 2001 में पद्मश्री एवं 2012 में पद्मभूषण से नवाजा गया। वह वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज एवं रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन के सदस्य भी हैं। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपेन्द्र धर ने अपने स्वागत भाषण में डॉ सी.वी. रमन की उपलब्धियों और योगदानों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने विज्ञान के महत्व को बताया और विश्वविद्यालय में पढ़ रहे, भविष्य के वैज्ञानिकों को कार्य क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया।

प्रो. रघुनाथन ने 'कला बल्कि विज्ञान होगा' विषय पर कहा कि गणित का एक सुंदर विषय है। विशेष रूप से यूक्लिड का स्मरण करो कि एक अभाज्य संख्या (या केवल एक अभाज्य) एक पूर्ण संख्या है जो 1 से अधिक है, जिसका केवल भाजक स्वयं है और 1 के अलावा 3, 5, 7, 11 हैं। यूक्लिड ने स्वयं प्रश्न प्रस्तुत किया क्या सभी का संग्रह एक परिमित संग्रह है? प्रो. रघुनाथन ने आने वाले वैज्ञानिकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। व्याख्यान के पश्चात विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। समन्वयक डॉ. सीमा बागोरा ने आभार माना।